लिन्गाश्टकम

ब्रह्म मुरारि सुरार्चित लिन्गम
निर्मल भासित शॊभित लिन्गम
जन्मज दुह्ख विनाशक लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥१॥

दॆव मुनि प्रवरार्चित लिन्गम
काम दहन करुणाकर लिन्गम
रावण दर्प विनाशक लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥२॥

सर्व सुगन्धि सुलॆपित लिन्गम
बुद्धि विवर्धन कारण लिन्गम
सिद्ध सुरासुर वन्दित लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥३॥

कनक महामणि भूशित लिन्गम
फणिपति वॆश्टित शोभित लिन्गम
दक्श सुयग्न विनाशन लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥४॥

कुन्ग्कुम चन्दन लॆपित लिन्गम
पन्ग्कज हार सुशॊभित लिन्गम
सन्चित पाप विनाशन लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥५॥

www.sousigma.com

देव गणार्चित सेवित लिन्गम
भावैर भक्तिभिर ऐव च लिन्गम
दिनकर कोटि प्रभाकर लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥६॥
अश्ट दळो परिवेश्टित लिन्गम
सर्व समुद्भव कारण लिन्गम
अश्ट दरिद्र विनाशन लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥७॥
सुर गुरु सुरवर पूजित लिन्गम
सुरवर पुश्प सदार्चित लिन्गम
परम परम परमात्मक लिन्गम
तत प्रणमामि सदाशिव लिन्गम॥८॥

www.yousigma.com